हमजा बिन लादेन की मौत पर सस्पेंस के बीच ट्रंप ने बताया क्यों अमेरिका के लिए बड़ा खतरा था

वाशिंगटन. Trump on Hamza bin Laden Death अमेरिका ने गुरुवार को अलकायदा के आतंकी हमजा बिन लादेन(Hamza bin Laden) की मौत का दावा किया है। अमेरिका के लिए एक वक्त बड़ा खतरा बनने वाले अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का बेटा हमजा मार गिराया गया है। हालांकि अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी हमजा की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। ये भी साफ नहीं है कि हमजा की मौत कहां और कैसे हुई।हमजा की मौत में अमेरिका का हाथ है या नहीं ये भी साफ नहीं हुआ है। हालांकि, अमेरिका के खुफिया अधिकारियों ने हमजा बिन लादेन की मौत का दावा किया है।

हमजा बिन लादेन की मौत पर सस्पेंस के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलकायदा आतंकी हमजा बिन लादेन की मौत पर बयान दिया है। ट्रंप ने यहां गुरुवार को कहा है कि हमजा बिन लादेन अमेरिका के लिए बड़ा खतरा था।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने ट्रंप से जब पूछा कि क्या हमजा बिन की मौत में अमेरिका की कोई भूमिका थी तो उन्होंने कहा, %मैं इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। हां मैं ये जरूर कह सकता हूं कि वह हमारे देश(अमेरिका) के लिए बड़ा खतरा था। वह हमारे देश के बारे में बहुत बुरी बातें कह रहा था।

अमेरिकी मीडिया ने बुधवार को अनाम अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमजा बिन लादेन की मौत ट्रम्प प्रशासन के पहले दो वर्षों के दौरान हुई थी। अमेरिका की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हमजा को मार गिराने के अभियान में अमेरिकी सरकार की अहम भूमिका थी। उन्होंने इस गोपनीय अभियान के बारे में इस शर्त पर जानकारी दी कि उनके नामों को गुप्त रखा जाएगा। इन अधिकारियों ने हालांकि यह नहीं बताया कि जिस हमले में हमजा मारा गया, उसे कब और कहां अंजाम दिया गया था।

अमेरिका के लिए क्यों खतरा हमजा बिन लादेन ?

साल 2015 में अलकायदा के सरगना रहे ओसामा बिन लादेन के बेटे हमजा बिन लादेन ने अमेरिका को धमकी दी थी कि वो अपने पिता की मौत का बदला लेने के लिए अमेरिका पर हमला करेगा। जिसके बाद अमेरिका ने उसके सिर पर 10 लाख डॉलर (करीब 7 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था।

ओसामा के 20 बच्चों में एक था हमजा

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गत फरवरी में बताया था कि ओसामा के 20 बच्चों में हमजा 15वें स्थान पर है। उसकी तीसरी पत्नी से हमजा का जन्म हुआ था। अलकायदा ने हाल के सालों में उसके कई संदेश जारी किए थे। लेकिन पिछले कुछ माह से उसका कोई संदेश नहीं आया।

अलकायदा सरगना बनाने की थी तैयारी

फाउंडेशन फॉर द डिफेंस डेमोक्रेसिस के वरिष्ठ सदस्य थॉमस जॉस्लीन ने कहा, %ऐसी संभावना है कि हमजा पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। उसे अलकायदा के अगले सरगना के तौर पर तैयार किया जा रहा था। तालिबान के साथ संबंधों में भी उसकी अहम भूमिका थी।

अल-जवाहिरी की तलाश जारी

एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अयमान अल-जवाहिरी को अलकायदा का सरगना बनाया गया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए को उसकी अब भी तलाश है। सीआइए ने उसे खोजने के लिए 2012 और 2013 में पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान इलाके में कई प्रयास किए थे। लेकिन उसके ठिकाने का पता नहीं चल सका था।

अभिभावक की इजाजत के बिना सऊदी महिलाएं कर सकेंगी विदेश यात्रा, प्रतिबंध हटा

रियाद. सऊदी अरब की महिलाएं अब पुरुष अभिभावक (पिता-पति या अन्य) की इजाजत के बिना विदेश यात्रा कर सकेंगी। सऊदी अरब की सरकार ने महिलाओं को यह अनुमति प्रदान किया है। इस फैसले के पूर्व सऊदी महिलाओं को अकेले विदेश यात्रा करने की इजाजत नहीं थी। हालांकि, इस नियम के खिलाफ पिछले वर्ष काफी आलोचना हुई थी। इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी निंदा हुई थी। इसके बाद सऊदी सरकार ने महिलाओं के हक में यह सुधारात्मक कदम उठाया है। इस नियम के मुताबिक अब 21 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को पासपोर्ट हासिल करने और अभिभावक की सहमति हासिल किए बिना देश छोड़ने की इजाजत होगी। यह जानकारी सरकारी गजट उम्?म उल कुरा में प्रकाशित की गई है। हालांकि अखबार ने यह नहीं बताया है कि उसे यह जानकारी कहां से हासिल हुई है। मौजूदा कानून के मुताबिक सऊदी अरब में किसी भी उम्र की महिला बिना किसी पुरुष संरक्षक के विदेश यात्रा पर नहीं जा सकती है। यह नियम 21 वर्ष के कम उम्र के पुरुषों के साथ भी लागू है। खास बात यह है कि सऊदी अरब अपने नागरिकों की विदेश यात्रा पर पाबंदियों में ढील देने का यह प्रस्ताव उस समय लाया है, जब उनके देश में शरणार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। सात वर्षों में सऊदी में शरणार्थियों की संख्या चौगुनी हो गई है। सऊदी शरणार्थियों में पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। इससे यह जाहिर होता है कि सऊदी में अरब नागरिकों में उन्मुक्त जीवन जीने की लालसा निरंतर बढ़ रही है।

PM इमरान खान ने ट्विटर पर इस पत्रकार को किया अनफॉलो, सोशल मीडिया पर मचा बवाल

इस्लामाबाद. एक ऐसे समय में जब पाकिस्तान में मीडिया सेंसरशिप के आरोप लग रहे हैं, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस सेंसरशिप के खिलाफ आवाज उठाने वाले वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर को ट्विटर पर अनफॉलो कर दिया है . 'रोजनामा पाकिस्तान' की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान के इस कदम की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्विटर पर इमरान के एक करोड़ से अधिक फॉलोअर हैं. इस मामले में वह विश्व के कुछ चुनिंदा शासकों की सूची में शामिल हैं. खुद इमरान 19 लोगों को ही फॉलो करते हैं जिनमें से एक हामिद मीर भी हुआ करते थे.

इमरान जिन्हें फॉलो करते हैं, उनमें मीर एकमात्र पत्रकार हुआ करते थे. लेकिन, अब इमरान ने उन्हें अनफॉलो कर दिया है और अब वह जिन्हें फॉलो करते हैं, उनमें एक भी पत्रकार नहीं है. हामिद मीर ने इसे सकारात्मक रूप से लेते हुए कहा, "किसी पत्रकार के लिए यह गर्व की बात है कि एक राजनेता जब विपक्ष में हो तो उसे फॉलो करे और सत्ता में आने के बाद उसे (पत्रकार को) अनफॉलो कर दे.

उत्तर कोरिया ने फिर किया हथियार परीक्षण, अमेरिका एवं द . कोरिया में सैन्य अभ्यास रद करानेका दबाव

सियोल.उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट के समीप शुक्रवार को एक अज्ञात हथियार का दो बार परीक्षण किया। पिछले एक हफ्ते में उत्तर कोरिया ने अपना तीसरा हथियार परीक्षण किया है।

माना जा रहा है कि परमाणु हथियारों के मसले पर अमेरिका के साथ धीमी पड़ी बातचीत की प्रक्रिया तेज करने की खातिर दबाव बनाने को लेकर उत्तर कोरिया ऐसा कर रहा है। उत्तर कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि उन्होंने पूर्वी तटवर्ती इलाके में शुक्रवार को तड़के 2:59 और 3:23 बजे हथियारों का परीक्षण किया। इससे पहले उत्तर कोरिया ने बुधवार को भी दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था। यही नहीं पिछले हफ्ते भी उसने दो मिसाइलों का परीक्षण किया था। बता दें कि उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया को संयुक्त सैन्य अभ्यास ना करने की चेतावनी दी थी लेकिन दोनों देशों ने इसके बावजूद इसे जारी रखने का निर्णय लिया। यही कारण है कि इस कदम के जरिए वह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास को रद कराने का दबाव बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के बीच गत 30 जून को परमाणु वार्ता बहाल करने पर सहमति बनी थी। लेकिन हालिया कदमों से यह अधर में फंस सकती है।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि बुधवार को उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर वॉनसान के समीप से कम दूरी तक मार करने वाली दो मिसाइलें दागी गई। ये मिसाइलें करीब 250 किलोमीटर तक गई। उत्तर कोरिया ने गत 25 जुलाई को भी इस जगह से दो मिसाइलों का परीक्षण किया था।

उनमें से एक मिसाइल 430 किलोमीटर और दूसरी 690 किलोमीटर दूर तक गई थी। विशेषज्ञों की मानें तो केएन-23 नामक नई मिसाइलों को आसानी से लांच किया जा सकता है। इन मिसाइलों को मिसाइल रक्षा प्रणाली से बचने के लिए तैयार किया जा रहा है।